(a) बूँदी, कोटा, बारां
(b) डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़
(c) अलवर, भरतपुर, धौलपुर
(d) अजमेर, टोंक, भीलवाड़ा

JEN Civil Diploma (Tsp Area) 16.10.2016

Ans. (c) मेवात दोहरे उद्देश्य वाली देशी मवेशी नस्ल है। मेवात नस्ल के गौवंश, भैंस व बकरी राजस्थान के अलवर, भरतपुर एवं धौलपुर जिलों में पाये जाते है।

1884. वर्ष 2012 की पशुगणना (अन्तिम) के अनुसार राजस्थान की कुल पशु संख्या है-

(a) 491 लाख (b) 547 लाख
(c) 577 लाख (d) 566 लाख

JEN Mechanical Degree (Non TSP Area) 21.8.2016

Ans. (c) 19वीं पशुगणना 2012 के अनुसार राजस्थान में पशुओं की कुल संख्या 577.32 लाख थी।
20वीं पशुगणना 2019 के अनुसार राजस्थान में पशुओं की कुल संख्या 568 लाख से अधिक है। 2012 की तुलना में 2019 में पशुओं की संख्या में 1.66% की कमी आई है।

1885. राजस्थान में कौन -सा जंगली जानवर सबसे अधिक संख्या में है-

(a) चिंकारा (b) काला हिरण
(c) भालू (d) रोजरा (नील गाय)

Investigator Exam Date- 21.08.2016

Ans. (d) राजस्थान में सबसे अधिक संख्या में पाया जाने वाला जंगली जानवर रोजरा है जिसे नील गाय के नाम से भी जाना जाता है।

1886. सूची- I को सूची- II से सुमेलित कीजिए तथा दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

सूची- I	सूची- II
A. भेड़	1. सिरोही
B. भैंस	2. मगरा
C. गौ-वंश	3. कांकरेज
D. बकरी	4. मुर्राह

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	3	1	4
(b)	2	4	3	1
(c)	3	4	1	2
(d)	2	1	4	3

Investigator Exam Date- 21.08.2016

Ans. (b) सही मिलान इस प्रकार है–

A. भेड़	–	मगरा
B. भैंस	–	मुर्राह
C. गौ-वंश	–	कांकरेज
D. बकरी	–	सिरोही

1887. निम्नलिखित में से कौन सा (नस्ल-पशु) सुमेलित नहीं है?

(a) खेरी-बकरी (b) सोनाड़ी-भेड़
(c) संचौरी -गाय (d) मेहसाना-भैंस

VDO-2021 Exam Date 27.12.2021 Shift-I

Ans. (a) सही सुमेलन है-

	नस्ल		पशु
(a)	खेरी	-	भेड़ (नागौर, जोधपुर)
(b)	सोनाड़ी	-	भेड़ (बांसवाड़ा,भीलवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर)
(c)	संचौरी	-	गाय (जालौन, नागौर)
(d)	मेहसाना	-	भैंस (राजस्थान एवं गुजरात के क्षेत्रों में पायी जाती है)

1888. निम्नलिखित में से कौन सा (नस्ल-पशुधन) सही सुमेलित नहीं है?

(a) बरबरी-बकरी (b) चनोथर-भेड़
(c) लोही-भैंस (d) कांकरेज-गौवंश

Ans. (c) : सही मिलान इस प्रकार है।

सूची-I (नस्ल)	सूची-II (पशुधन)
(a) बरबरी	बकरी
(b) चनोथर	भेड़
(c) लोही	भेड़
(d) कांकरेज	गौवंश

1889. निम्नलिखित में से कौन सी भेड़ अधिक ऊन उत्पादन के लिए विख्यात है?

(a) चोखला (b) पूगल
(c) मालपुरी (d) जैसलमेरी

अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा 2019 (Ex. Dt. 27-12-2020)

Ans. (d) जैसलमेरी भेड़ सर्वाधिक ऊन उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है। यह जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, में पाई जाती है। चोकला या शेखावटी को भारत का मोरिनों कहा जाता है। यह सबसे उत्तम किस्म की ऊन देने वाली नस्ल है। मालपुरी को देसी नस्ल कहा जाता है। यह जयपुर, दौसा, टोंक, करौली तथा सवाई माधापुर में पाई जाती है।

1890. 'काँकरेज'_____की एक नस्ल है।

(a) ऊँट (b) बकरी
(c) भैंस (d) गाय

Economic Investigator (उद्योग विभाग) -2018 (Exam Dt. 25 March 2019)

Ans. (d) गुजरात तथा राजस्थान के दक्षिण-पश्चिमी जिलों-बाड़मेर, सिरोही जालौर तथा जोधपुर में पायी जाने वाली गायों की एक प्रमुख नस्ल 'कांकरेज' है। इस नस्ल की गाएं प्रतिदिन 5 से 10 लीटर दूध देती हैं।

1891. राजस्थान में कौनसी गौवंश की नस्ल नहीं है-

(a) मालवी (b) नाली
(c) मेवाती (d) नागौरी

Complier Exam Date-21.08.2016

Ans. (b) नाली राजस्थान में पायी जाने वाली भेड़ की यह नस्ल अधिक उन उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है।

गीर – अजमेर, भीलवाड़ा, पाली, चित्तौड़गढ़
थारपारकर – जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, बीकानेर
नागौरी – नागौर, जोधपुर
कांकरेज – बाड़मेर, सिरोही, जालौर